NEWSLETTER

Saturday
5 October 2024
Volume - 118

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

WEATHER REPORT

NORTH :
CENTRAL :
SOUTH :

भारत की अर्थव्यवस्था पर कपास के आयात और निर्यात का प्रभाव

GOLD : 76190
SILVER : 93500
CRUD : 6350

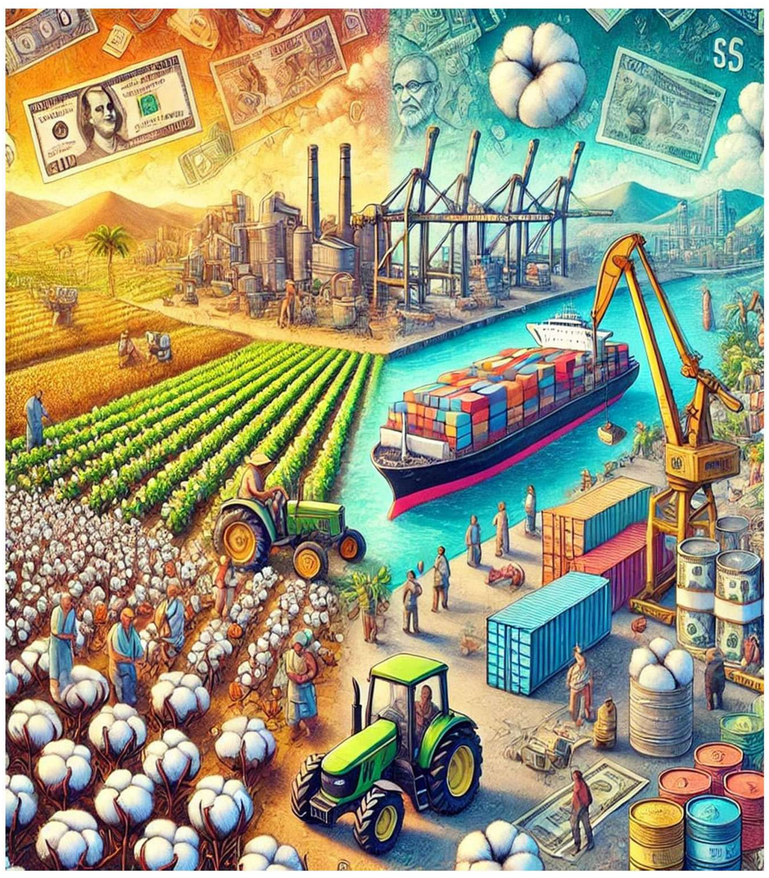

1. भारतीय कपास निर्यात पर प्रभाव
भारत, एक प्रमुख कपास उत्पादक और निर्यातक है, जो निर्यात गतिशीलता में परिवर्तन से महत्वपूर्ण प्रभाव अनुभव करता है।

वैश्विक मांग : बांग्लादेश, वियतनाम और चीन जैसे देश अपने संपन्न कपड़ा उद्योगों के लिए भारतीय कपास पर निर्भर हैं, जिसका अर्थ है कि मांग में कोई भी बदलाव सीधे भारत के निर्यात राजस्व को प्रभावित करता है।

मूल्य अस्थिरता : भारतीय कपास की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता मूल्य निर्धारण पर निर्भर करती है। जब भारतीय कीमतें कम होती हैं, तो निर्यात बढ़ता है। हालाँकि, अगर घरेलू कीमतें बढ़ती हैं, तो भारत को अमेरिका, ब्राज़ील और ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य प्रमुख निर्यातकों से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।

सरकारी नीतियाँ : अक्सर कमी के दौरान लगाए जाने वाले निर्यात प्रतिबंध, कपास किसानों, जो खुले बाजारों को पसंद करते हैं, और सरकार, जिसका उद्देश्य कपड़ा उद्योग के लिए घरेलू आपूर्ति को सुरक्षित करना है, के बीच तनाव पैदा कर सकते हैं।

2. भारतीय कपास आयात पर प्रभाव
हालाँकि भारत कपास का शुद्ध निर्यातक है, लेकिन कुछ स्थितियाँ, जैसे उत्पादन की कमी या विशिष्ट कपास किस्मों की माँग, आयात की आवश्यकता होती है।

गुणवत्ता और विविधता : भारत निर्यात बाजारों के लिए अपने उच्च-स्तरीय कपड़ा उत्पादन का समर्थन करने के लिए मिस्र या अमेरिका से लंबे-चौड़े कपास जैसी विशेष कपास किस्मों का आयात करता है।

घरेलू कमी : प्रतिकूल मौसम की स्थिति या कीट प्रकोप के कारण कपास की कमी हो सकती है, जिससे भारत को कपास आयात करना पड़ सकता है, जिससे घरेलू निर्माताओं की लागत बढ़ सकती है।

कपड़ा क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता: उच्च आयात मूल्य उत्पादन लागत बढ़ाकर भारत के कपड़ा उद्योग को प्रभावित करते हैं, जिससे इस क्षेत्र की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को संभावित रूप से नुकसान पहुँच सकता है।

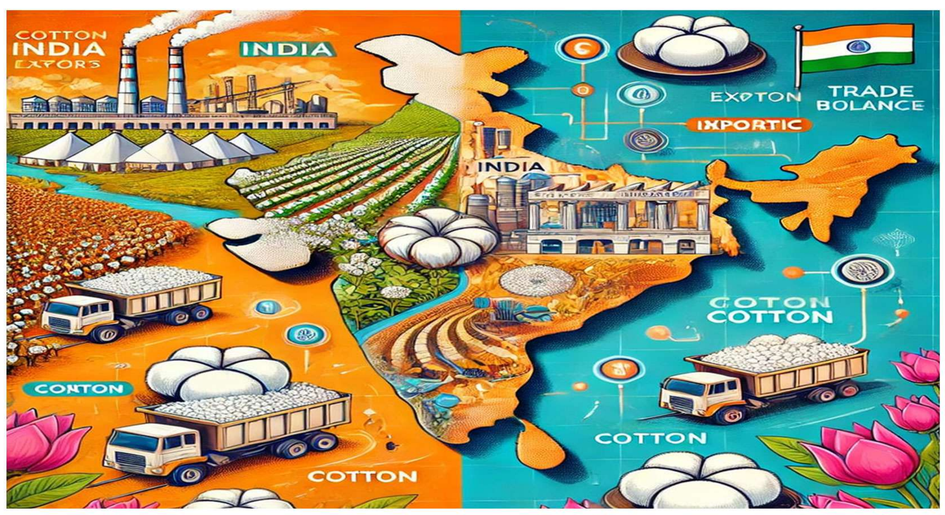

3. घरेलू बाजारों पर मूल्य प्रभाव

आयात और निर्यात के बीच परस्पर क्रिया घरेलू कपास की कीमतों को प्रभावित करती है।

निर्यात स्थानीय कीमतों को बढ़ावा देता है : उच्च निर्यात आम तौर पर घरेलू कपास की कीमतों को बढ़ाता है, जिससे किसानों को लाभ होता है, लेकिन कम लागत पर निर्भर कपड़ा क्षेत्र को चुनौती मिलती है।

आयात कीमतों को स्थिर करता है : कमी के दौरान कपास का आयात कीमतों को स्थिर कर सकता है, जिससे निर्माताओं को नुकसान हो सकता है, लेकिन आयात पर अत्यधिक निर्भरता घरेलू कपास की कीमतों को कम कर सकती है, जिससे किसानों की आय प्रभावित हो सकती है।

4. आर्थिक और रोजगार प्रभाव

किसानों के लिए: लाखों भारतीय किसान अपनी आजीविका के लिए कपास के निर्यात पर निर्भर है। जबकि उच्च निर्यात मूल्य आय में सुधार करते हैं, आयात में वृद्धि स्थानीय कपास की मांग को कम कर सकती है, जिससे किसानों की आय कम हो सकती है।

कपड़ा उद्योग के लिए : भारत का निर्यात-उन्मुख कपड़ा क्षेत्र, एक प्रमुख नियोक्ता, कपास की कीमतों के प्रति संवेदनशील है। प्रतिबंधित आयात या बढ़े हुए निर्यात के कारण कच्चे कपास की लागत में वृद्धि, उत्पादन में कमी या तैयार माल की कीमतों में वृद्धि का कारण बन सकती है।

5. भू-राजनीतिक और व्यापार संबंध

व्यापार समझौते : भारत का कपास व्यापार भू-राजनीतिक कारकों से निकटता से जुड़ा हुआ है। चीन और बांग्लादेश जैसे कपास आयात करने वाले देशों और अमेरिका और मिस्र जैसे कपास निर्यात करने वाले देशों के साथ संबंध, व्यापार गतिशीलता को बहुत प्रभावित करते हैं। मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) या टैरिफ और कोटा पर विवाद कपास के प्रवाह को और अधिक आकार देते हैं।

निष्कर्ष
भारत का कपास आयात और निर्यात कृषि अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, जो किसानों की आय और कपड़ा क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित करता है। स्थानीय किसानों का समर्थन करने और कपड़ा उद्योग के लिए स्थिर कपास आपूर्ति सुनिश्चित करने के बीच संतुलन बनाना निरंतर आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है।

अब बढ़ाएं अपना व्यापार

इंडस्ट्री से जुड़े 50 हज़ार से ज़्यादा लोगों तक पहुचाएं अपने व्यापार की हर जानकारी हमारे माध्यम से पाएं अपने व्यापार को बढ़ाने का सुनहरा अवसर

जानकारी के लिये संपर्क करें-
9111677775

कपास बाजार की साप्ताहिक गतिविधि पर एक नजर

SMART INFO SERVICES			
CALL : 91116 77771			
WEEKLY CHART 05.10.2024			
ICE COTTON			
MONTH	27.09.24	04.10.24	WEEKLY CHANGE
DEC	72.72	73.27	0.55
MAR'25	74.52	75.28	0.76
MAY'25	75.61	76.52	0.91
MCX (COTTON)			
NOV	58100	57260	-840
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1622	1584	-38
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	3039	2929	-110
JAN	2981	2904	-77
FEB	2985	2900	-85
SMART INFO SERVICE		CALL : 91116 77771	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.70	83.97	0.27
PAK (Pakistani Rupee)	278.169	277.391	-0.778
CNY (Chinese yuan)	7.01104	7.01757	0.00653
BRAZIL (Real)	5.43393	5.45731	0.02338
AUSTRALIAN Dollar	1.44846	1.47144	0.02298
MALAYSIAN RINGGITS	4.12635	4.21999	0.09364
COTLOOK "A" INDEX	84.65	84.35	-0.3
BRAZIL COTTON INDEX	74.16	72.85	-1.31
USDA SPOT RATE	66.40	66.95	0.55
MCX SPOT RATE	58900	57820	-1080
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17500	17800	300
GOLD ($)	2689.90	2667.80	-22.1
SILVER ($)	31.958	32.394	0.436
CRUDE ($)	68.18	74.38	6.2

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे मिलाजुला वाला माहौल रहा।

इंटरकांटिनेंटल कॉटन एक्सचेंज के भाव दिसंबर 0.55 सेंट, मार्च 0.76 एवं मई 0.91 सेंट तक बढ़े ।

वही भारतीय बाजार MCX पर कॉटन के दाम में नवंबर माह में 840 रुपऐ की गिरावट देखने को मिली।

NCDEX पर कपास के भाव 38 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वहीं खल के भाव देखे तो दिसंबर माह में 110 रुपए गिरे, जनवरी माह में 77 रुपए, फरवरी माह में 85 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गई।

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में गिरावट देखी गई, USDA स्पॉट रेट 0.55 सेंट बढ़ा, वही MCX स्पॉट रेट में 1,080 रुपए प्रति कैंडी भाव में गिरावट देखने को मिली।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES						
ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL						
CALL : 91116 77771						
STATE	30.09.24	01.10.24	02.10.24	03.10.24	04.10.24	05.10.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	1,600	2,000	-	-	3,000	-
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	600	400	400
NORTH ZONE	1,600	2,000	-	600	3,400	400
GUJARAT	3,500	4,500	-	4,500	4,500	5,000
MADHYA PRADESH	2,000	3,000	-	5,000	6,000	7,000
MAHARASHTRA	1,200	1,200	-	1,700	1,800	1,800
CENTRAL ZONE	6,700	8,700	-	11,200	12,300	13,800
KARNATAKA	12,000	8,000	-	4,000	6,000	6,000
ANDHRA PRADESH	4,500	5,000	-	5,000	5,000	5,500
TELANGANA	1,500	2,000	-	3,000	3,000	2,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	18,000	15,000	-	12,000	14,000	13,500
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	26,300	25,700	-	23,800	29,700	27,700
ARRIVAL IN 170 Kg.						

2024-25 फसल वर्ष में भारत का कपास आयात बढ़ने की संभावना

भारत में 2024-25 फसल वर्ष (अक्टूबर 2024-सितंबर 2025) के दौरान कपास के आयात में वृद्धि होने की उम्मीद है, क्योंकि आगे ले जाने के लिए कम स्टॉक है और कम रकबे के कारण घरेलू उत्पादन में संभावित गिरावट है। उद्योग के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, कुछ व्यापारियों ने हाल ही में कम वैश्विक कीमतों का लाभ उठाते हुए नवंबर-मार्च की अवधि के लिए पहले ही आयात अनुबंध कर लिया है।

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CAI) के अध्यक्ष अतुल गनात्रा ने कहा, "इस साल आयात 35 लाख गांठ तक पहुंच सकता है।" CAI के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने 2023-24 सीजन के लिए अगस्त 2023 के अंत तक 16.40 लाख गांठ (प्रत्येक 170 किलोग्राम) का आयात किया। आयात में अपेक्षित वृद्धि कपास की बुवाई में 12-13 लाख हेक्टेयर की कमी से जुड़ी है। गणत्रा ने यह भी कहा कि 2023-24 के लिए बहुत कम कैरी-फ़ॉरवर्ड स्टॉक है, 2022-23 के लिए सिर्फ़ 30 लाख गांठ कपास (अप्रसंस्कृत कपास) अभी भी किसानों के पास है। यूएसडीए ने भारत के 2024-25 कपास उत्पादन का अनुमान 24 मिलियन गांठ (प्रत्येक 480 पाउंड) लगाया है, जो पिछले साल के 25.80 मिलियन गांठ से 7% कम है, जिसका मुख्य कारण कम कटाई वाले क्षेत्र हैं।

कपास अनुबंधों की भूमि लागत

अगस्त तक, सीएआई ने अनुमान लगाया है कि 30 सितंबर, 2024 तक स्टॉक का समापन 23.32 लाख गांठ होगा, जबकि पिछले साल यह 28.90 लाख गांठ था। गणत्रा ने यह भी पुष्टि की कि नवंबर-मार्च अवधि के लिए 7-10 लाख गांठों का अनुबंध पहले ही किया जा चुका है। दिसंबर डिलीवरी के लिए ब्राजील के कपास (28 मिमी) की लैंडेड लागत, जिसमें 11% सीमा शुल्क शामिल है, लगभग ₹64,880 प्रति गांठ है। ऑस्ट्रेलियाई कपास (29 मिमी) की कीमत ₹69,120 प्रति गांठ है, जबकि पश्चिम अफ्रीकी कपास (28.7 मिमी), जिस पर 5.5% शुल्क है, की कीमत अप्रैल-मई 2025 डिलीवरी के लिए ₹63,480 है।

4 अक्टूबर तक, 28 मिमी कपास के लिए CAI की हाजिर दरें ₹56,700 प्रति कैंडी (356 किलोग्राम) थीं, जो ₹400 कम थीं, जबकि 29 मिमी कपास की कीमत ₹58,000 थी। 3 अक्टूबर को, देश भर में 37,500 गांठें रिपोर्ट की गईं, जो एक दिन पहले 14,800 गांठों से अधिक थीं। 1 अक्टूबर से अब तक कुल आवक 80,300 गांठों तक पहुँच गई है।

फसल के आकार को लेकर अनिश्चितता

गणत्रा ने चेतावनी दी कि 2024-25 की फसल के आकार के बारे में निश्चित पूर्वानुमान लगाना अभी जल्दबाजी होगी, क्योंकि हाल ही में हुई बारिश ने महाराष्ट्र और गुजरात में काफी नुकसान पहुंचाया है और फसल में करीब एक महीने की देरी हुई है।ऑल इंडिया कॉटन ब्रोकर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रामानुज दास बूब ने बताया कि जब ICE वायदा 66-67 सेंट प्रति पाउंड के आसपास था, तब करीब 10 लाख गांठों का अनुबंध किया गया था। वर्तमान में, ICE वायदा 72-73 सेंट प्रति पाउंड पर मँडरा रहा है।

बूब ने कहा कि आगे का आयात इस बात पर निर्भर करेगा कि आवक बढ़ने पर भारतीय कपास की कीमतें किस तरह प्रतिक्रिया करती हैं। जल्दी आवक ने पहले ही बाजार को नरम कर दिया है।

कर्नाटक के रायचूर क्षेत्र में, दैनिक कपास की आवक 3,000 से 5,000 गांठों के बीच होती है, जिसकी कीमतें ₹7,000 से ₹7,700 प्रति क्विंटल के बीच होती हैं। तेलंगाना के अदोनी में, कीमतें ₹7,000 से ₹7,400 प्रति क्विंटल तक हैं, जिसमें लगभग 10% की उच्च नमी सामग्री है, जिससे खरीद धीमी हो गई है।

मध्यम स्टेपल कपास के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) ₹7,121 प्रति क्विंटल है, जबकि लंबे स्टेपल कपास की कीमत ₹7,521 है। बूब ने कहा कि कम रकबे के बावजूद, फसल का पूर्वानुमान सकारात्मक बना हुआ है, हालांकि गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में आवक में देरी हो सकती है। उन्हें 15 अक्टूबर के बाद आवक में सुधार की उम्मीद है।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

भारत में मानसून की बारिश ने फसल उत्पादन को बढ़ावा देते हुए चार साल के उच्चतम स्तर को छुआ

भारत में इस साल मानसून की बारिश 2020 के बाद से सबसे अधिक रही, लगातार तीन महीनों तक औसत से अधिक वर्षा हुई, जिससे देश को पिछले साल के सूखे से उबरने में मदद मिली, राज्य द्वारा संचालित मौसम विभाग ने सोमवार को कहा।

महाराष्ट्र: बाज़ार में प्रतिदिन 30,000 क्विंटल कपास की आवक

वर्तमान में देश के बाजारों में प्रतिदिन 30,000 से 32,000 क्विंटल कपास की आवक हो रही है, जो पिछले सीजन की तुलना में कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि कपास की आवक में कमी के कारण इसकी कीमतों में सुधार देखा जा रहा है।

खरगोन मंडी में कपास की बंपर आवक, किसानों को 7250 रुपये तक का मिला भाव

मध्य प्रदेश की प्रमुख कपास मंडी में इन दिनों सफेद सोना, यानी कपास की भारी आवक हो रही है, जिससे किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। मंडी में कपास की कीमतें 7250 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई हैं, जिससे किसानों में उत्साह है। सोमवार को मंडी में 7000 क्विंटल कपास की रिकॉर्ड आवक दर्ज की गई, जिसमें उच्च गुणवत्ता वाला कपास ऊंचे दामों पर बिका। अन्य फसलों जैसे गेहूं, मक्का, और सोयाबीन के भी उचित दाम मिले, लेकिन उनकी आवक अपेक्षाकृत कम रही।

ICF ने केंद्र से कपास आयात शुल्क हटाने की अपील की

भारतीय कपास महासंघ (ICF), जिसे पहले दक्षिण भारत कपास संघ के नाम से जाना जाता था, ने 29 सितंबर, 2024 को GKS कॉटन चैंबर्स में अपनी 45वीं वार्षिक आम बैठक आयोजित की।

विदर्भ कॉटन एसोसिएशन ने कपास बीज केक (खल) पर मंडी सेस और जीएसटी माफ करने की मांग की

क्षेत्र के किसानों और जिनर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले विदर्भ कॉटन एसोसिएशन (VCA) ने कपास उद्योग को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह की हाल ही में नागपुर यात्रा के दौरान, एसोसिएशन ने अपनी चिंताओं को रेखांकित करते हुए मांगों का एक चार्टर प्रस्तुत किया।

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे गिरावट वाला माहौल रहा।

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे गिरावट वाला माहौल रहा।

नार्थ झोन के पंजाब राज्य में 10 रुपए प्रति मंड तक की बढ़त, और अपर राजस्थान राज्य में 50 रुपए प्रति मंड तक की गिरावट दर्ज की गई, वही हरयाणा में स्थिरता रही।

सेंट्रल झोन के गुजरात, महाराष्ट्र, में 700 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट देखि गई, जबकि मध्यप्रदेश राज्य में 200 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त दर्ज की गई।

साउथ झोन के कर्णाटक, ओड़िशा, तेलंगाना राज्य में 200-1600 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट रही, वही आँध्रप्रदेश राज्य में स्थिरता रही।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 05.10.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	30.09.2024		05.10.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,800	5,810	5,810	5,820	10
HARYANA	27.5/28	5,700	5,700	5,700	5,700	0
UPPER RAJASTHAN	28	5,400	5,825	5,350	5,775	-50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	58,000	58,300	57,000	57,600	-700
MADHYA PRADESH	29	58,400	58,600	58,600	58,800	200
MAHARASHTRA	29+ vid.	59,500	59,700	58,500	59,000	-700
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	59,900	60,000	59,200	59,300	-700
KARNATAKA	29.5+	56,500	57,000	55,000	55,400	-1,600
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	58,500	59,000	58,500	59,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	58,500	59,000	58,000	58,800	-200
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE
FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

NEWSLETTER

Saturday
5 October 2024
Volume - 118

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

WEATHER REPORT

NORTH :
CENTRAL :
SOUTH :

Impact of Cotton Imports and Exports on India's Economy

GOLD : 76190
SILVER : 93500
CRUD : 6350

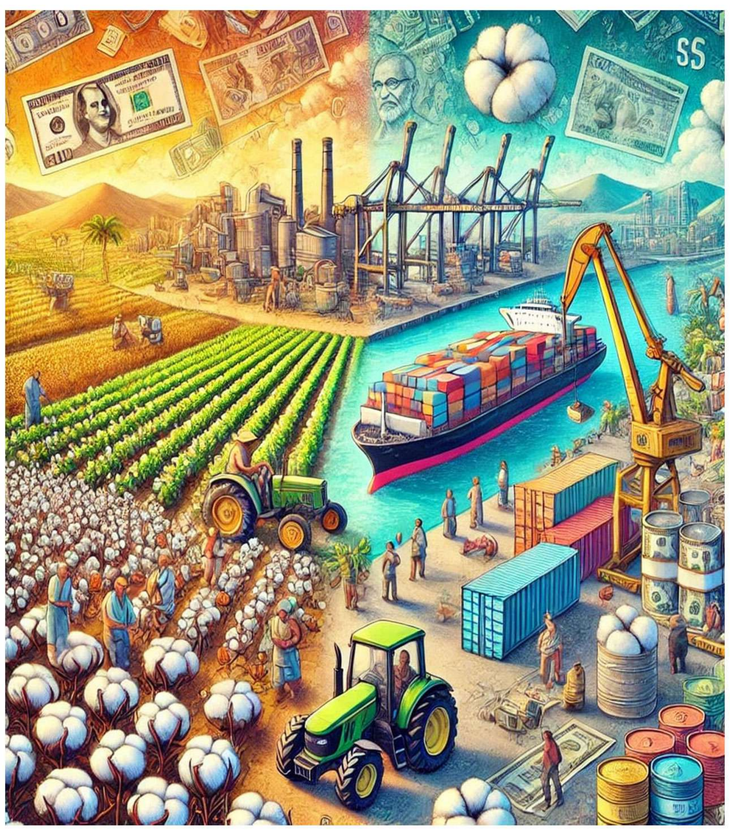

1. Impact on Indian Cotton Exports

India, a major cotton producer and exporter, experiences significant impacts from changes in export dynamics.

Global Demand: Countries such as Bangladesh, Vietnam and China depend on Indian cotton for their thriving textile industries, which means any change in demand directly impacts India's export revenues.

Price Volatility: The global competitiveness of Indian cotton depends on pricing. When Indian prices are low, exports rise. However, if domestic prices rise, India faces competition from other major exporters such as the US, Brazil and Australia.

Government Policies: Export restrictions, often imposed during shortages, can create tensions between cotton farmers, who prefer open markets, and the government, which aims to secure domestic supplies for the textile industry.

2. Impact on Indian Cotton Imports

Although India is a net exporter of cotton, certain situations, such as production shortages or demand for specific cotton varieties, necessitate imports.

Quality and variety: India imports specialty cotton varieties such as long-staple cotton from Egypt or the US to support its high-end textile production for export markets.

Domestic shortages: Adverse weather conditions or pest infestations can cause cotton shortages, forcing India to import cotton, raising costs for domestic manufacturers.

Competitiveness of the textile sector: Higher import prices affect India's textile industry by raising production costs, potentially harming the sector's international competitiveness.

3. Price effects on domestic markets

The interaction between imports and exports affects domestic cotton prices.

Exports boost local prices: Higher exports generally raise domestic cotton prices, benefiting farmers but challenging the low-cost-dependent textile sector.

Imports stabilize prices: Cotton imports can stabilize prices during shortages, hurting manufacturers, but excessive reliance on imports can lower domestic cotton prices, hurting farmers' incomes.

4. Economic and employment impact

For farmers: Millions of Indian farmers depend on cotton exports for their livelihood. While higher export prices improve incomes, a rise in imports can reduce demand for local cotton, thereby reducing farmers' incomes.

For the textile industry: India's export-oriented textile sector, a major employer, is sensitive to cotton prices. An increase in the cost of raw cotton due to restricted imports or increased exports can lead to a reduction in production or an increase in finished goods prices.

5. Geopolitical and trade relations

Trade agreements: India's cotton trade is closely linked to geopolitical factors. Relations with cotton-importing countries such as China and Bangladesh, and cotton-exporting countries such as the US and Egypt, greatly influence trade dynamics. Free trade agreements (FTAs) or disputes over tariffs and quotas further shape cotton flows.

Conclusion

India's cotton imports and exports are important to the agricultural economy, affecting farmers' incomes and the competitiveness of the textile sector. Striking a balance between supporting local farmers and ensuring a stable cotton supply for the textile industry is essential for continued economic growth.

Grow your business now

Get every information about your business to more than 50 thousand people related to the industry. Get a golden opportunity to grow your business through us.

For more information, contact-
+91-9111677775

look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 05.10.2024			
ICE COTTON			
MONTH	27.09.24	04.10.24	WEEKLY CHANGE
DEC	72.72	73.27	0.55
MAR'25	74.52	75.28	0.76
MAY'25	75.61	76.52	0.91
MCX (COTTON)			
NOV	58100	57260	-840
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1622	1584	-38
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	3039	2929	-110
JAN	2981	2904	-77
FEB	2985	2900	-85
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91116 77771**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.70	83.97	0.27
PAK (Pakistani Rupee)	278.169	277.391	-0.778
CNY (Chinese yuan)	7.01104	7.01757	0.00653
BRAZIL (Real)	5.43393	5.45731	0.02338
AUSTRALIAN Dollar	1.44846	1.47144	0.02298
MALAYSIAN RINGGITS	4.12635	4.21999	0.09364
COTLOOK "A" INDEX	84.65	84.35	-0.3
BRAZIL COTTON INDEX	74.16	72.85	-1.31
USDA SPOT RATE	66.40	66.95	0.55
MCX SPOT RATE	58900	57820	-1080
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17500	17800	300
GOLD ($)	2689.90	2667.80	-22.1
SILVER ($)	31.958	32.394	0.436
CRUDE ($)	68.18	74.38	6.2

This week, the international market witnessed a mixed trend.

Intercontinental Cotton Exchange prices rose by 0.55 cents in December, 0.76 cents in March and 0.91 cents in May.

On the Indian market, MCX saw a fall of Rs 840 in the price of cotton in the month of November.

On NCDEX, the price of cotton fell by Rs 38 per 20 kg, while the price of oil cake fell by Rs 110 in December, Rs 77 in January and Rs 85 per quintal in February.

If we look at the cotton market of other countries, a decline was seen in the Cotlook "A" index, USDA spot rate increased by 0.55 cents, while MCX spot rate saw a fall of Rs 1,080 per candy.

Cotton arrivals this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91116 77771						
STATE	30.09.24	01.10.24	02.10.24	03.10.24	04.10.24	05.10.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	1,600	2,000	-	-	3,000	-
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	600	400	400
NORTH ZONE	1,600	2,000	-	600	3,400	400
GUJARAT	3,500	4,500	-	4,500	4,500	5,000
MADHYA PRADESH	2,000	3,000	-	5,000	6,000	7,000
MAHARASHTRA	1,200	1,200	-	1,700	1,800	1,800
CENTRAL ZONE	6,700	8,700	-	11,200	12,300	13,800
KARNATAKA	12,000	8,000	-	4,000	6,000	6,000
ANDHRA PRADESH	4,500	5,000	-	5,000	5,000	5,500
TELANGANA	1,500	2,000	-	3,000	3,000	2,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	18,000	15,000	-	12,000	14,000	13,500
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	26,300	25,700	-	23,800	29,700	27,700
ARRIVAL IN 170 Kg.						

India's Cotton Imports Likely to Increase in 2024-25 Crop Year

India is expected to see a rise in cotton imports during the 2024-25 crop year (October 2024-September 2025) due to lower carry-forward stocks and a potential drop in domestic output, driven by reduced acreage. Some traders have already contracted imports for the November-March period, capitalizing on recent low global prices, according to industry insiders.

Atul Ganatra, President of the Cotton Association of India (CAI), said, “Imports could reach 35 lakh bales this year.” CAI data shows that India imported 16.40 lakh bales (170 kg each) by the end of August 2023 for the 2023-24 season. The expected increase in imports is linked to a 12-13 lakh hectare decrease in cotton planting. Ganatra also noted that there’s minimal carry-forward stock from 2023-24, with only 30 lakh bales of kapas (unprocessed cotton) from 2022-23 still with farmers. The USDA has forecast India’s 2024-25 cotton output at 24 million bales (480 pounds each), a 7% decline from the previous year's 25.80 million bales, mainly due to lower harvested areas.

Landed Costs of Cotton Contracts

As of August, the CAI estimates closing stocks at 23.32 lakh bales by September 30, 2024, compared to 28.90 lakh bales the previous year. Ganatra also confirmed that 7-10 lakh bales have already been contracted for the November-March period. The landed cost of Brazilian cotton (28 mm) for December delivery, including 11% customs duty, is approximately ₹64,880 per bale. Australian cotton (29 mm) costs ₹69,120 per bale, while West African cotton (28.7 mm), which has a 5.5% duty, is priced at ₹63,480 for April-May 2025 delivery.

As of October 4, CAI’s spot rates for 28 mm cotton were ₹56,700 per candy (356 kg), down by ₹400, while 29 mm cotton was priced at ₹58,000. On October 3, 37,500 bales were reported across the country, up from 14,800 bales the day before. Total arrivals since October 1 have reached 80,300 bales.

Uncertainty Around Crop Size

Ganatra cautioned that it is too early to make definitive predictions about the 2024-25 crop size, as recent rains have caused significant damage and delayed the crop by about a month in Maharashtra and Gujarat.

Ramanuj Das Boob, Vice President of the All India Cotton Brokers Association, mentioned that around 10 lakh bales had been contracted when ICE futures were around 66-67 cents per pound. Currently, ICE futures are hovering at 72-73 cents per pound. Boob noted that further imports will depend on how Indian cotton prices respond as arrivals increase. Early arrivals have already softened the market

In Karnataka’s Raichur region, daily cotton arrivals range from 3,000 to 5,000 bales, with prices between ₹7,000 and ₹7,700 per quintal. In Telangana’s Adoni, prices range from ₹7,000 to ₹7,400 per quintal, with a high moisture content of around 10%, slowing down purchasing.

The minimum support price (MSP) for medium staple cotton is ₹7,121 per quintal, while long staple cotton is priced at ₹7,521. Boob added that despite the reduced acreage, the crop outlook remains positive, though arrivals in Gujarat, Maharashtra, and Madhya Pradesh could be delayed. He expects improvements in arrivals after October 15.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Monsoon rains in India hit a four-year high, boosting crop production

This year's monsoon rains in India were the highest since 2020, with above-average rainfall for three consecutive months, helping the country recover from last year's drought, the state-run meteorological department said on Monday.

Maharashtra: 30,000 quintals of cotton arriving in the market every day

Currently, 30,000 to 32,000 quintals of cotton are arriving in the country's markets every day, which is less than last season. Experts believe that due to the decrease in the arrival of cotton, its prices are improving.

Bumper arrival of cotton in Khargone Mandi, farmers got price up to Rs 7250

These days, there is a huge arrival of white gold, i.e. cotton, in the major cotton market of Madhya Pradesh, due to which the faces of the farmers are blooming. The prices of cotton in the market have reached Rs 7250 per quintal, which has brought enthusiasm among the farmers. On Monday, the mandi witnessed a record arrival of 7000 quintals of cotton, with high quality cotton selling at high prices. Other crops such as wheat, maize, and soybean also got reasonable prices, but their arrivals were relatively less.

ICF appeals to Centre to remove cotton import duty

The Indian Cotton Federation (ICF), formerly known as South India Cotton Association, held its 45th Annual General Meeting on September 29, 2024 at GKS Cotton Chambers.

Vidarbha Cotton Association demands waiver of Mandi Cess and GST on cotton seed cake (Khal)

The Vidarbha Cotton Association (VCA), representing farmers and ginners of the region, has drawn attention to the key issues affecting the cotton industry. During the recent visit of Union Textiles Minister Giriraj Singh to Nagpur, the association presented a charter of demands outlining its concerns.

This week, the international market witnessed a decline.

This week, the international market witnessed a decline.

North Zone states of Punjab witnessed a rise of Rs. 10 per candy and Upper Rajasthan witnessed a decline of Rs. 50 per candy, while Haryana remained stable.

Central Zone states of Gujarat, Maharashtra witnessed a decline of Rs. 700 per candy, while Madhya Pradesh witnessed a rise of Rs. 200 per candy.

South Zone states of Karnataka, Odisha, Telangana witnessed a decline of Rs. 200-1600 per candy, while Andhra Pradesh remained stable.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 05.10.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	30.09.2024		05.10.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,800	5,810	5,810	5,820	10
HARYANA	27.5/28	5,700	5,700	5,700	5,700	0
UPPER RAJASTHAN	28	5,400	5,825	5,350	5,775	-50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	58,000	58,300	57,000	57,600	-700
MADHYA PRADESH	29	58,400	58,600	58,600	58,800	200
MAHARASHTRA	29+ vid.	59,500	59,700	58,500	59,000	-700
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	59,900	60,000	59,200	59,300	-700
KARNATAKA	29.5+	56,500	57,000	55,000	55,400	-1,600
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	58,500	59,000	58,500	59,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	58,500	59,000	58,000	58,800	-200
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE
FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775